



आज का तापमान

शिमला 6.5 व्ही 17.4 अधि

धर्मशाला 5.5 व्ही 18.7 अधि

बाजार

सेंचुरेस 75996.86

निपटी 22959.50

तोना 86,620 चांदी 98,512

आरएनआई नं. HPHIN01099

कांगड़ा | नंगलवार, 18 फरवरी 2025 | 7 फाल्गुन, विक्रमी संवत् 2081 | वर्ष 2, अंक 51, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए

follow us on:

8894521702



पृष्ठ 3 पर

## न्यूज शॉटर्स

दिल्ली-एनसीआर और बिहार में आया भूकंप



नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह करीब 5:36 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। अद्वितीय घट्ट बात सुबह 8 बजे बिहार के सिवान में भूकंप आया। दोनों जगहों पर एक रेकॉर्ड स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र नई दिल्ली था और इनकी गहराई पांच किलोमीटर बाटाई गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि एकस पर जावाकरी दी। वहीं, भूकंप को लेकर पीएम मोदी ने लोगों से शांत रखने की अपील की। साथ ही कहा कि अधिकारी स्थिति पर कठीन नजर बनाए हुए हैं।

पूजा स्थल कानून से संबंधी

याचिकाओं पर सुनवाई टली

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूजा स्थल कानून से जुड़ी 7 याचिकाओं पर सुनवाई टली। दरअसल इस केस की सुनवाई 2 जांचों की बैच में होनी थी।

सीधी रूप से संजीवी जागीर की गहराई।

पीएम ने रिपोर्ट में बताया कि

पार्टीओं को चंदे का बड़ा हिस्सा

चुनावी बॉन्ड से मिला है। भाजपा

ने अपनी कमाई का कुल 50.96

फीसदी यांत्री 2211.69 करोड़

रुपए, जबकि कांग्रेस से अपनी

इनकम का 83.69 फीसदी यांत्री

इनकम पर दबाव देती है। सीधी रूप

वाली एक सीमा होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं स्थिर करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज

मासमान एकीकरण की अपील करेगा।

इनकी गहराई नहीं होती है। आज&lt;/div





# वाराणसी में मां दुर्गा के विरोधियों के रक्त से बना कुंड

भगवान शिव के गिर्षल पर बती हुई वाराणसी विश्व की सबसे पुरातन व्यस्ति नगरी है और यह आज भी सनातन के प्रमुख केंद्रों के रूप में इस पृथ्वी पर विराजमान है। वैसे तो महादेव की नगरी वाराणसी अपने आप में ही संपूर्ण है, लेकिन वर्तमान में यह अपने अनूठे गंगा घाट और मंदिरों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। वाराणसी के इन्हीं प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है दुर्गा कुंड मंदिर। आदिकाल में वाराणसी में तीन प्रमुख मंदिर थे, काशी विश्वनाथ, अनन्पूर्णा मंदिर और दुर्गा कुंड। सनातन काल से ही महादेव की इस नगरी में मां दुर्गा आदि शक्ति के रूप में इस प्राचीन दुर्गा कुंड मंदिर में विराजमान हैं।



## मंदिर का इतिहास

वाराणसी के इस दुर्गा मंदिर का इतिहास युगों पुराना है। मंदिर और कुंड के निर्माण के पीछे का कारण एक युद्ध था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सहजायियों पहले राजा सुबाहु ने अपनी पुत्री के विवाह के लिए स्वयंवर का आयोजन किया लेकिन राजकुमारी ने स्वयंवर के पहले स्वयंवर में अपना विवाह अयोध्या के राजकुमार सुखीन से होता हुआ देखा। राजकुमारी ने यह बात अपने पिता से बताई तो उन्होंने इसकी चर्चा स्वयंवर में आ चुके राजाओं से की। राजाओं ने इसे अपना अपासन सदाचारा और सुदर्शन के रिवलफ युद्ध की घोषणा कर दी।

## राजा सुबाहु ने बनवाया दिव्य मंदिर

प्रयागराज में भारद्वाज ऋषि के आश्रम में रहने के कारण राजा गुहायण करने वाले राजकुमार सुदर्शन ने राजाओं की चुनौती स्वीकार कर मां दुर्गा से विजय का आशीर्वाद मांगा। युद्ध भूमि में जब सुखीन युद्ध के लिए पहुंचा तो राजकुमारी ने यह अपना अपासन सदाचार सुदर्शन के रिवलफ युद्ध की घोषणा कर दी।

इस भीषणतम युद्ध के कारण राजा सुबाहु ने एक कुंड निर्मित हो गया। यहीं ही दुर्गा कुंड कहलाया। मां दुर्गा ने यह राजकुमारी के विवाह सुदर्शन के साथ करने का आदेश दिया। इसके बाद राजा सुबाहु ने इस स्थान पर मां दुर्गा के दिव्य मंदिर का निर्माण करवाया। कहा जाता है कि शुभं और निशुभं का वध करने के बाद भी मां दुर्गा ने इसी स्थान पर विश्राम किया था।

## प्रदोष व्रत से साधक पर बरसती है महादेव की कृपा



सनातन धर्म में प्रदोष व्रत का खास महत्व है। यह पर्व हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन देवों के प्रेम महादेव और जगत की देवी मां पार्वती की पूजा की जाती है। इस व्रत को करने से मलोयाञ्छिण फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस साल 26 फरवरी को मालिनीपूर्णिमा जारी होती है। इसके बाद इस व्रत पर दोपाष व्रत है। शिव पुराण में वर्णित है कि प्रदोष व्रत करने से साधक पर महादेव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से एक कुंड निर्मित हो गया। यहीं ही दुर्गा कुंड कहलाया। मां दुर्गा ने यह राजकुमारी के विवाह सुदर्शन के साथ करने का आदेश दिया। इसके बाद राजा सुबाहु ने इस स्थान पर मां दुर्गा के दिव्य मंदिर का निर्माण करवाया। कहा जाता है कि शुभं और निशुभं का वध करने के बाद भी मां दुर्गा ने इसी स्थान पर विश्राम किया था।

साधक के जीवन में व्यास सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। अतः साधक त्रयोदशी तिथि पर श्रद्धा भव और शिव-शक्ति की पूजा करते हैं। प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की युरुआत 25 फरवरी को दोपहर 12 बजकर 47 मिनट पर होती है और 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 08 मिनट पर समाप्त होती। त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत करने में भगवान शिव की पूजा की जाती है। 25 फरवरी को प्रदोष व्रत करने से आधारक लाल संघातक 06 बजकर 18 मिनट से 08 बजकर 49 मिनट तक है। अतः 25 फरवरी को फरवरी महीने का अंतिम प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। शुभ योग फरवरी माह के अंतिम प्रदोष व्रत पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में श्रिपुष्कर योग और वरीयान योग शामिल हैं।

विजयाएकादशी का व्रत फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष को किया जाता है। पुराणों के अनुसार भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी से विजया एकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी से विजया एकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी से विजया एकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी से विजया एकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी से विजया एकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी से विजया एकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी से विजया एकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान करते हैं। इस द्वारा समुद्र ने श्रीराम को मार्ग नहीं दिया तो उन्होंने ऋषियों से इसका उपाय प्राप्त। तपत्प्रथाय उन्होंने समुद्र देव की आराधना की। आराधना करने पर समुद्रवेव प्रसन्न नहीं हुए तो उन्होंने तीर संधान कर दिया। इस पर समुद्र देव ने सेतु बांधे का सुझाव दिया। लंका विजय के लिए ऋषियों ने विजयाएकादशी का व्रत करने को कहा। भगवान श्रीराम ने विजयाएकादशी से विजया एकादशी का व्रत धारण कर लंका विजय की थी। भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के लिए लंका की ओर प्रस्थान कर





## न्यूज ब्रीफ

साहो में 50 बागवानों ने लगाए सेब के पौधे  
अनंत ज्ञान, चंबा सेब की बढ़ती मांग और अच्छी कमाई को देखते हुए अब जिला चंबा के निवाले क्षेत्रों में भी बागवान सेब उत्पादन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। पहले सेब की खेती ऊपरी इलाकों तक ही सीमित थी, लेकिन अब रूट्स्टॉक वैयारटी के पौधों के आगे से नियों क्षेत्रों में भी इसकी संभावनाएं बढ़ गई हैं। साहो क्षेत्र में भी अब सेब तैयार हो सकेगा। साहो क्षेत्र में लगभग 50 बागवानों ने रूट्स्टॉक वैयारटी के सेब के पैथे लगाए हैं। यह क्षेत्र पहले सेब उत्पादन के लिए उपयुक्त बही माना जाता था, यद्यों सेब के पारंपरिक पौधों को अधिक वैयारिंग आवश्यक (ठंडे तपामा) की जरूरत होती थी। मगर रूट्स्टॉक वैयारटी को कम वैयारिंग आवश्यक में भी अच्छी पैदावार मिल सकती है, जिससे नियों इलाकों में भी इसकी खेती संभव हो गई है।

## विभागीय परीक्षा का परिणाम घोषित

अनंत ज्ञान ब्लूरे, शिमला। विभागीय परीक्षा बोर्ड, फेयरलाइन (शिमला) द्वारा 26 नवंबर, 2024 से 05 दिसंबर, 2024 तक आयोजित विभागीय परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। बोर्ड के प्रवक्ता ने आज यहां जाकर कही थी कि परीक्षा परिणाम को पीएमआईएस लॉगइन आई.डी.ओर पासवर्क का उपयोग कर मानव सम्पद पोर्टल पर लॉगइन कर डाउनलोड किया जा सकता है।

## आईटीआई जोगिंद्रनगर में लगाया रक्तदान शिविर

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर सोमवार को आईटीआई डोहा में रोटीरी क्लब के तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर में कीरी 50 ग्लूटिन रक्त एकत्रित किया गया। कांगेस नेता जीवन ठाकुर ने शिविर में विद्युत करते हुए रक्तदान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सडक हड्डीयों में घायलों के अधिक रक्त बह जाने से जान तक का जीवन बदल जाता है। ऐसे में रक्तदान से हम जलूरामदारों को जीवनदान देने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस शिविर में डॉ. मानोज शास्त्री, अश्विनी, पर्वज कुमारी, जीवी शास्त्री, अश्विनी, अश्विनी और स्थान ने रक्तदान के लिए युवाओं को प्रेरित किया। आईटीआई की प्राचार्य नवीन कुमारी ने शिविर की अध्यक्षता करते हुए प्रशंसकों व छात्रों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। रोटीरी क्लब के अध्यक्ष अमर रिंग जसवाल, सिद्धि सुशील पठानिया, प्रोजेक्ट प्रबंधक रामलाल लालिया, रोटेरीन अजय ठाकुर, मेजर ज्ञान चंद्र बराल, डॉ. भग चंद, नरपत बराल ने रक्तदाताओं को प्रसादित पत्र देकर सम्मानित किया।

## भाग्यला पंचायत में नशे के खिलाफ अभियान शुरू

अनंत ज्ञान, सरकाराय। ग्राम पंचायत भाग्यला (विकासरूप गोपालपुर, जिला मंडी) में बैठक का आयोजन प्रधान सुनीता देवी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में कुल 12 में से 13 प्रतिनिधियों (गणपूर्ण) की उपस्थिति रही, जिसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में उप्रधान श्री रमेश कुमार ने पंचायत क्षेत्र में युवाओं और वयस्तों में बढ़ती नशी की लत को लेकर गंभीर दिया व्यक्त की। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में पंचायत में नशे से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा लालातार नाके लगाकर नशा तरकी और इससे जुड़े लोगों पर कार्रवाई की जा रही है, लेकिन समाज को इस डुरुर्ग से मुक्त करने के लिए पंचायत स्तर पर भी ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। इस पर सभी पंचायत प्रतिनिधियों ने सर्वसमर्पित जीता। इस पर नियों के खिलाफ एक प्रभावी जागरूकता अधियाय चलाया जाए। प्रधान श्रीमती सुनीता देवी ने घोषणा की कि 17 फरवरी 2025 से ग्राम पंचायत कार्यालय से दो अधिकारी और आपाचारिक शुरुआत की जाएगी। इस अभियान के तहत पंचायत के प्रयोक्त वाई में बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जहां पंचायत प्रतिनिधियों युवाओं और वयस्तों में बढ़ती नशी की लत को लेकर गंभीर दिया व्यक्त की। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में पंचायत में नशे के खिलाफ एक अधिकारी और वयस्तों को आयोजन किया जाएगा, जहां पंचायत के प्रतिनिधियों युवाओं और वयस्तों के बीच नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा चर्चे और इन्हीं वयस्तों को समाज सेवकों, मानव मंडलों और स्थानीय विभागों के कर्मचारियों तक सभी जागरूक नारियों से सहयोग की अपील की है। पंचायत ने यह शब्द दिया कि इसके बायोडॉक्टर कोई व्यक्ति नशे के अंदर कारोबार में लिपि पाया जाता है तो उसके खिलाफ ग्राम पंचायत से कड़ी कार्रवाई की गई। जैसे नियम दिये गए, वहां नगर नियम दिये गए हैं और इनमें विभागों के तहत आवश्यक अमानविकास को लेकर बार-बार नारा नियम कायाकाल न आना पड़े। इस

अनंत ज्ञान ब्लूरे, मंडी। शिविर में आमजननासन ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी समस्याओं वरे अवगत करवाया। जिस पर तुरत कार्यवाही करते हुए मौके पर ही कुछ समस्याओं का नियानदन किया गया। शिवर में उपस्थित लोगों को इस पोटल के माध्यम से उपलब्ध करवाए जाने वाली सामान्यता के आयोजन किया जाएगा, जहां पंचायत के प्रतिनिधियों युवाओं और वयस्तों के बीच नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा चर्चे और इन्हीं वयस्तों को समाज सेवकों, मानव मंडलों और स्थानीय विभागों के कर्मचारियों तक सभी जागरूक नारियों से सहयोग की अपील की है। पंचायत ने यह शब्द दिया कि इसके बायोडॉक्टर कोई व्यक्ति नशे के अंदर कारोबार में लिपि पाया जाता है तो उसके खिलाफ ग्राम पंचायत से कड़ी कार्रवाई की गई। जैसे नियम दिये गए, वहां नगर नियम दिये गए हैं और इनमें विभागों के तहत आवश्यक अमानविकास को लेकर बार-बार नारा नियम कायाकाल न आना पड़े। इस

अनंत ज्ञान ब्लूरे, मंडी। शिविर में आमजननासन ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी समस्याओं वरे अवगत करवाया। जिस पर तुरत कार्यवाही करते हुए मौके पर ही कुछ समस्याओं का नियानदन किया गया। शिवर में उपस्थित लोगों को इस पोटल के माध्यम से उपलब्ध करवाए जाने वाली सामान्यता के आयोजन किया जाएगा, जहां पंचायत प्रतिनिधियों युवाओं और वयस्तों के बीच नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा चर्चे और इन्हीं वयस्तों को समाज सेवकों, मानव मंडलों और स्थानीय विभागों के कर्मचारियों तक सभी जागरूक नारियों से सहयोग की अपील की है। पंचायत ने यह शब्द दिया कि इसके बायोडॉक्टर कोई व्यक्ति नशे के अंदर कारोबार में लिपि पाया जाता है तो उसके खिलाफ ग्राम पंचायत से कड़ी कार्रवाई की गई। जैसे नियम दिये गए, वहां नगर नियम दिये गए हैं और इनमें विभागों के तहत आवश्यक अमानविकास को लेकर बार-बार नारा नियम कायाकाल न आना पड़े। इस

अनंत ज्ञान ब्लूरे, मंडी। शिविर में आमजननासन ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी समस्याओं वरे अवगत करवाया। जिस पर तुरत कार्यवाही करते हुए मौके पर ही कुछ समस्याओं का नियानदन किया गया। शिवर में उपस्थित लोगों को इस पोटल के माध्यम से उपलब्ध करवाए जाने वाली सामान्यता के आयोजन किया जाएगा, जहां पंचायत प्रतिनिधियों युवाओं और वयस्तों के बीच नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा चर्चे और इन्हीं वयस्तों को समाज सेवकों, मानव मंडलों और स्थानीय विभागों के कर्मचारियों तक सभी जागरूक नारियों से सहयोग की अपील की है। पंचायत ने यह शब्द दिया कि इसके बायोडॉक्टर कोई व्यक्ति नशे के अंदर कारोबार में लिपि पाया जाता है तो उसके खिलाफ ग्राम पंचायत से कड़ी कार्रवाई की गई। जैसे नियम दिये गए, वहां नगर नियम दिये गए हैं और इनमें विभागों के तहत आवश्यक अमानविकास को लेकर बार-बार नारा नियम कायाकाल न आना पड़े। इस

अनंत ज्ञान ब्लूरे, मंडी। शिविर में आमजननासन ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी समस्याओं वरे अवगत करवाया। जिस पर तुरत कार्यवाही करते हुए मौके पर ही कुछ समस्याओं का नियानदन किया गया। शिवर में उपस्थित लोगों को इस पोटल के माध्यम से उपलब्ध करवाए जाने वाली सामान्यता के आयोजन किया जाएगा, जहां पंचायत प्रतिनिधियों युवाओं और वयस्तों के बीच नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा चर्चे और इन्हीं वयस्तों को समाज सेवकों, मानव मंडलों और स्थानीय विभागों के कर्मचारियों तक सभी जागरूक नारियों से सहयोग की अपील की है। पंचायत ने यह शब्द दिया कि इसके बायोडॉक्टर कोई व्यक्ति नशे के अंदर कारोबार में लिपि पाया जाता है तो उसके खिलाफ ग्राम पंचायत से कड़ी कार्रवाई की गई। जैसे नियम दिये गए, वहां नगर नियम दिये गए हैं और इनमें विभागों के तहत आवश्यक अमानविकास को लेकर बार-बार नारा नियम कायाकाल न आना पड़े। इस

अनंत ज्ञान ब्लूरे, मंडी। शिविर में आमजननासन ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी समस्याओं वरे अवगत करवाया। जिस पर तुरत कार्यवाही करते हुए मौके पर ही कुछ समस्याओं का नियानदन किया गया। शिवर में उपस्थित लोगों को इस पोटल के माध्यम से उपलब्ध करवाए जाने वाली सामान्यता के आयोजन किया जाएगा, जहां पंचायत प्रतिनिधियों युवाओं और वयस्तों के बीच नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा चर्चे और इन्हीं वयस्तों को समाज सेवकों, मानव मंडलों और स्थानीय विभागों के कर्मचारियों तक सभी जागरूक नारियों से सहयोग की अपील की है। पंचायत ने यह शब्द दिया कि इसके बायोडॉक्टर कोई व्यक्ति नशे के अंदर कारोबार में लिपि पाया जाता है तो उसके खिलाफ ग्राम पंचायत से कड़ी कार्रवाई की गई। जैसे नियम दिये गए, वहां नगर नियम दिये गए हैं और इनमें विभागों के तहत आवश्यक अमानविकास को लेकर बार-बार नारा नियम कायाकाल न आना पड़े। इस

अनंत ज्ञान ब्लूरे, मंडी। शिविर में आमजननासन ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी समस्याओं वरे अवगत करवाया। जिस पर तुरत कार्यवाही करते हुए मौके पर ही कुछ समस्याओं का निय













